

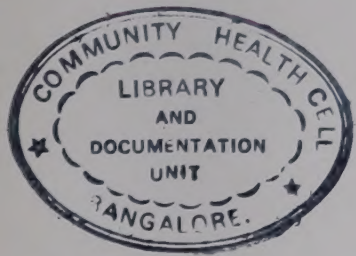
# बेहतर स्वास्थ्य की ओर

पीने के पानी का  
रख रखाव और बर्ताव



# अनुक्रमणिका :

- (1) पीने के पानी का रख रखाव और बर्ताव
- (2) बेकार पानी की निकासी
- (3) मानव मल का सुरक्षित निपटान-एक स्वच्छ शौचालय
- (4) कूड़े-कचरे एवं गोबर का निपटान
- (5) घर एवं भोजन की स्वच्छता
- (6) व्यक्तिगत सफाई
- (7) ग्रामीण स्वच्छता



**Community Health Cell**  
Library and Documentation Unit  
BANGALORE

# बेहतर स्वास्थ्य की ओर

पीने के पानी का  
रख रखाव और बर्ताव





## कार्ड-1

शीला का परिवार दस्त एवं अन्य रोगों से बीमार कम ही पड़ता है। शीला पीने का पानी सदैव हैण्डपम्प, नल या बन्द कुएं जैसे सुरक्षित स्रोत से लेती है हालांकि इन तक पहुंचने के लिए उसे अधिक दूर जाना पड़ता है।



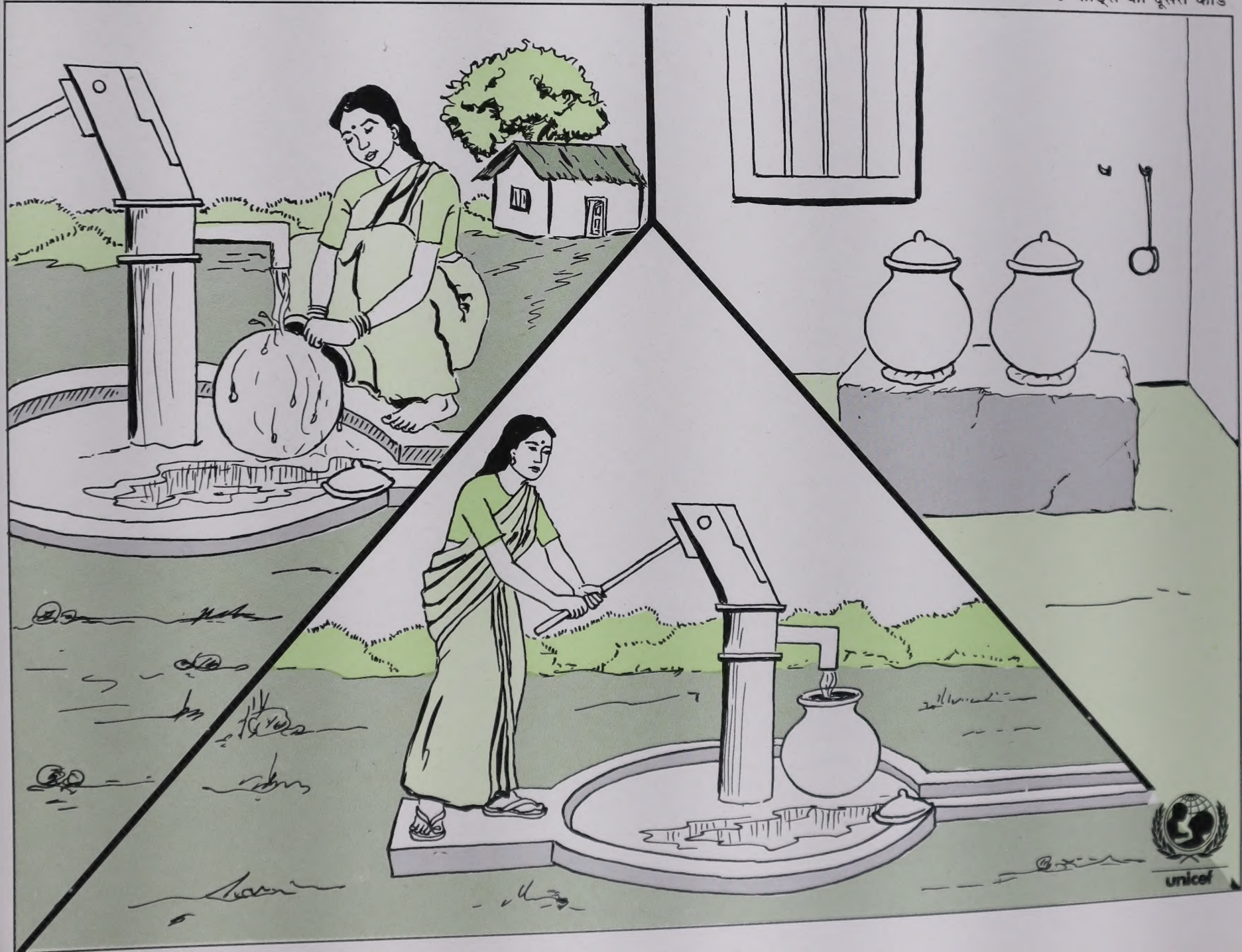


## कार्ड-2

इन स्रोतों से पानी लाने व जमा करने में शीला बहुत सतर्क रहती है। वह जानती है कि यदि इस पानी का प्रबन्ध ठीक ढंग से नहीं किया गया तो दस्त व हैजा जैसे कई रोग हो सकते हैं।

सबसे पहले वह पानी रखने वाले घड़े को धोती है। वह पानी भरने से पहले हमेशा ऐसा करती है।

घड़ा भरने के बाद वह तुरन्त उसे ढक कर रखती है ताकि गंदगी उसमें न जा सके। वह घड़ा उठाते समय पानी को हाथ से न छूने के मामले में ध्यान रखती है।





## कार्ड-3

पीने के पानी को सुरक्षित रखने के लिए शीला पानी को साफ बर्तन में जमीन से कुछ ऊपर रखती है।

वह दूषण से पानी को बचाने के लिए बर्तन हमेशा ढक कर रखती है।





## कार्ड-4

शीला का परिवार जानता है कि पानी निकालने के लिए डण्डीवाले लोटे या कलछी का प्रयोग करना चाहिए। शीला के परिवार के सदस्य ध्यान रखते हैं कि उनकी अंगुलियाँ पानी में न डूबें।

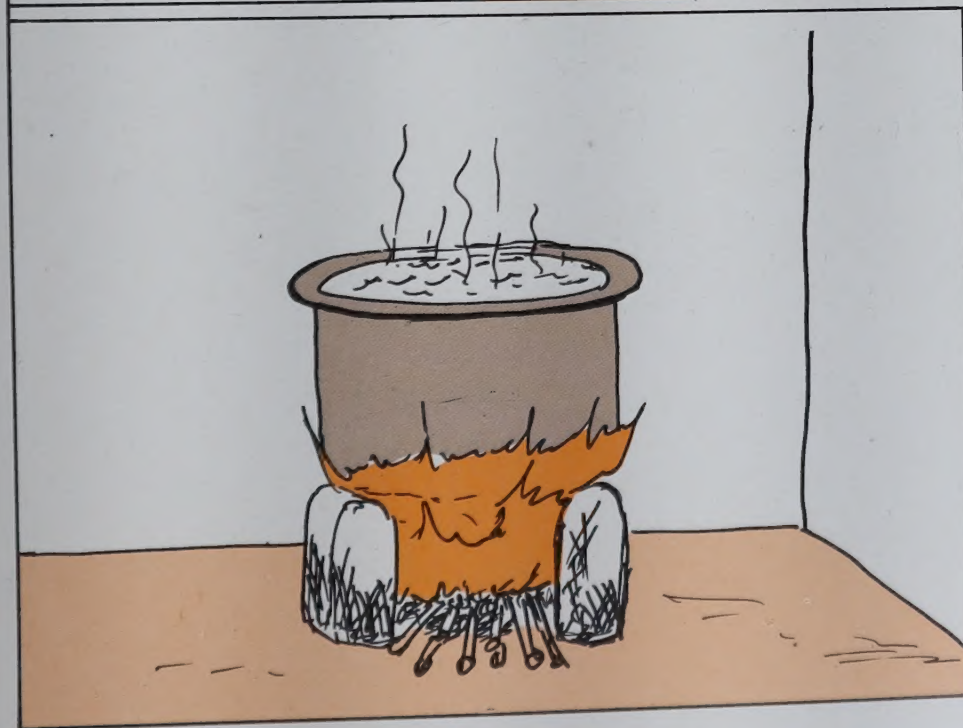




## कार्ड-5

शीला की मित्र नुसरत की पहुंच पानी के सुरक्षित स्रोत तक नहीं है। वह जानती है कि जिस नजदीकी खुले कुएं से वह पानी लेती है वह दूषित हो सकता है। इसलिए वह पीने या खाना पकाने के लिए उसका उपयोग करने से पहले उसे बीस मिनट तक उबालती है। नुसरत को स्वास्थ्य कार्यकर्ता से पता चला है कि ईंधन की कमी होने पर असुरक्षित पानी में क्लोरीन की 2 गोलियाँ डाल कर उसे सुरक्षित बना सकते हैं।













**United Nations Children's Fund**

Water & Environmental Sanitation Section

**INDIA COUNTRY OFFICE**

**73 Lodi Estate, New Delhi-110 003**

**INDIA**